Regarding development of purchase and storage centres and setting up of maize industry in Araria Parliamentary Constituency-laid

श्री प्रदीप कुमार सिंह (अररिया) : आज का विषय हमारे कोशी सीमांचल के मक्का किसानों से जुड़ा है, कोशी सीमांचल में 'मक्का' को पीला सोना के रूप में जाना जाता है, हर साल किसान मक्के की अच्छी पैदावार करते हैं, लेकिन अच्छी उपज के बावजूद, किसान हर साल खुद को ठगा महसूस करता है। हमारे कोशी सीमांचल में मक्के के किसानों के लिए न ही कोई क्रय केंद्र है, न ही इसके भंडारण की व्यवस्था और न ही इसपर आधारित कोई उद्योग शुरू पाया है। हमारे अररिया में मक्का आधारित उद्योग लगाने की शुरुआत तो हुई लेकिन करीब 14 साल बीत जाने पर भी यह चालू नहीं हो पाया है। भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण किसान अनाज माफियाओं के हाथ आने पौने दाम पर अपनी फसल देने पर मजबूर हो जाते हैं, और पीला सोना उपजाने वाले किसान हर साल खुद को ठगा मानकर अगली फसल की तैयारी में जुट जाते हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि इन मक्का किसानों की चिंता करते हुए, अलग - अलग प्रखंडों में क्रय केंद्र और भंडारण की व्यवस्था बनाई जाए, साथ ही हमारे संसदीय क्षेत्र अररिया में लग रहे मक्का उद्योग केंद्र को अतिशीघ्र चालू की जाए।